LIVES OF JAIN MONKS SERVE AS A GUIDE FOR THE ENTIRE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/जैन मुनियों का जीवन सम्पूर्ण संसार के लिए पथ प्रदर्शक: लोक सभा अध्यक्ष

....

LOK SABHA SPEAKER ATTENDS 42ND DIKSHA DIWAS CEREMONY IN SAGAR/सागर में 42वें दीक्षा दिवस समारोह में सम्मिलित हुए लोक सभा अध्यक्ष

...

Sagar (MP), 20 November 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla participated in the 42nd Diksha Diwas ceremony organized at Bhagyodaya Tirtha in Sagar, Madhya Pradesh today and received the blessings of the most revered Niryapk Shramana Muni Pungava Shri 108 Sudha Sagar Ji. At the meditation camp organized for thousands of devotees in the company of Munishree, said that it is a matter of good fortune to receive the blessings of Gurudev, whose blessings provide new spiritual consciousness and guidance. He added that revered Munivar has touched the pinnacle of spirituality through hard penance and meditation; he is ensuring welfare for the living world through his efforts. He highlighted that the lives of the great Tirthankaras and sages of the Jain tradition dedicated to philanthropy serve as guide for the entire world. He noted that values like kindness, compassion, peace, and humility towards living beings drive global progress.

MAHAVIR'S MESSAGE NEED OF THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER

Shri Birla emphasized that Lord Mahavir Swami's teachings have consistently guided India. He stressed the need for non-violence as the supreme principle in today's global scenario. He further said that it is the only mantra which is in the interest of every living being, and is the last hope of human civilization. He added that it is the only mantra which can establish peace in the world. He also

acknowledged the Jain community's significant contributions to India's social, economic, and political progress.

सागर, 20 नवंबर 2024: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश के सागर स्थित भाग्योदय तीर्थ में आयोजित 42वें दीक्षा दिवस समारोह में सम्मि लतहोकर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी का आशीर्वाद प्राप्त कया। मुनिश्री के सानिध्य में हजारों श्रद्धालुओं के लए आयोजित आत्मसाधना श वरमें उन्होंने कहा क गुरुदेव का आशीर्वाद मलना सौभाग्य का वषय है, उनका आशीष नई आध्यात्मिक आध्यात्मिक चेतना और मार्गदर्शन प्रदान करता है। अपनी कठिन तपस्या और साधना से श्रद्धेय मुनिवर ने अध्यात्म का शखर छुआ है, वे अपने कृतित्व से जीव जगत का कल्याण कर रहे हैं। श्री बिरला ने आगे कहा क परोपकार के लए सम र्पत जैन परंपरा के महान तीर्थंकरों और मुनियों का जीवन सम्पूर्ण संसार के लए पथ प्रदर्शक है। उन्होंने आगे कहा क कजीवमात्र के प्रति दया, करुणा, शांति और वनय जैसे महान मूल्य ही वैश्विक उन्नति को प्रशस्त करते हैं।

महावीर का संदेश वश्वकी जरूरत

श्री बिरला ने कहा क भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों ने सदैव भारत को राह दिखाई है। उन्होंने इस बात पर बल दिया क वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भी अहिंसा परमोधर्म के प्राणमंत्र की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा क यही एक नारा है जो प्रा णमात्रके हित में में है, यही मानव सभ्यता की अंतिम आशा है, यही संसार में शांति की स्थापना कर सकता है। उन्होंने कहा क जैन समाज ने भारत के सामाजिक, आ र्थक, राजनीतिक उत्थान में सदैव अपनी महती भू मकानिभाई है।